



KALKI

DESIGNER: KALKA



K 50006



KALKI

WOMEN'S WEAR



K 50005



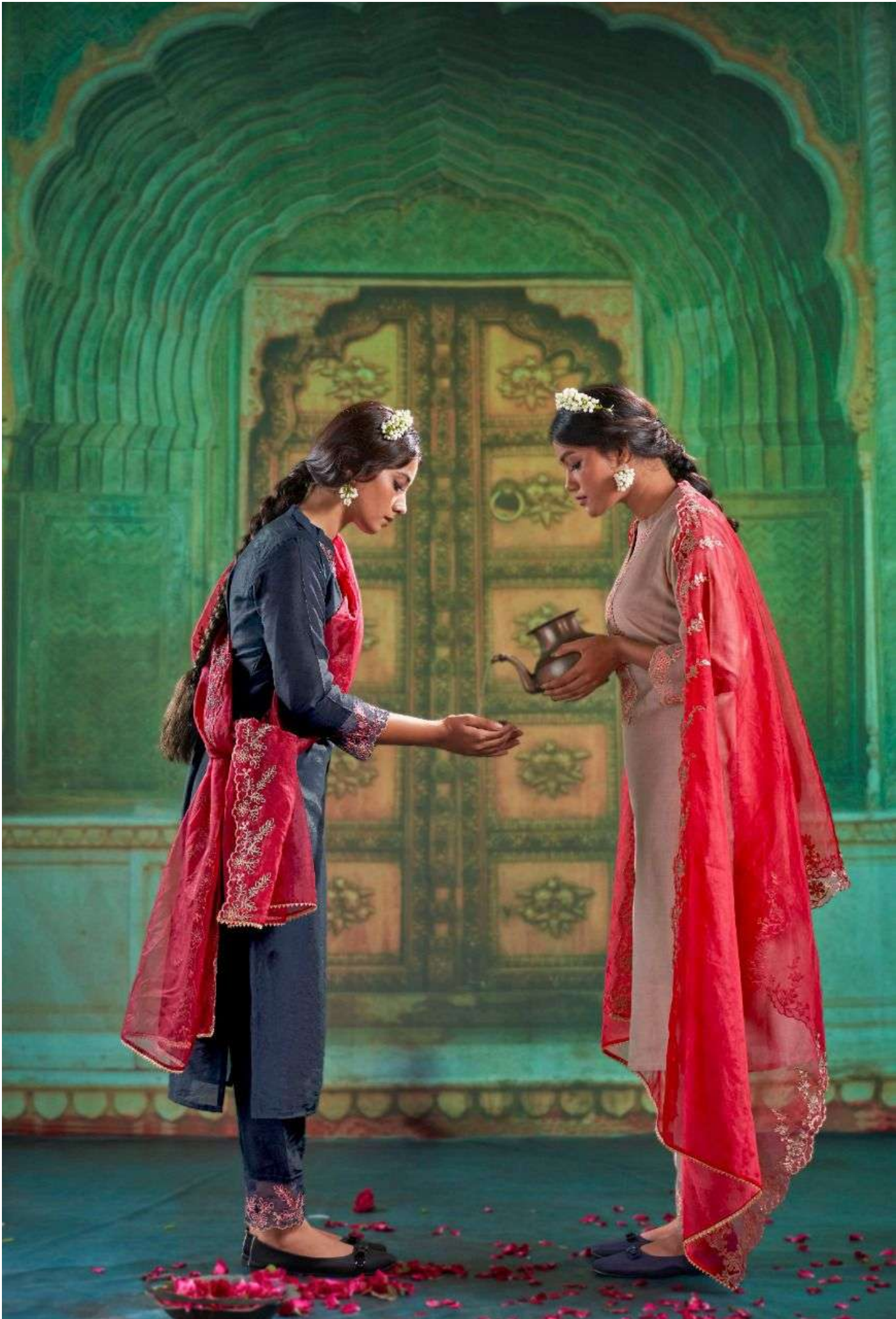
KALKI

BY KALKA



K 50006







KALKI

by
KALPANA KUMAR



K 50003

दास्तान-ए-इस्तकबाल

खुसरो रैन सुहाग क्री, जगी भी के संग
तन मेरो मन-पियो को, दोठ भए एक रंग





KALKI

Handcrafted
Traditional Indian Wear



K 50002



KALKI

WOMEN'S WEAR



K 50001



K 50004





KALKI

fashion

INDIAN ETHNIC WEAR



Bagicha

volume 2

दास्तान-ए-इस्तकबाल



K 50001

K 50002

K 50003



K 50004

K 50005

K 50006

दास्तान-ए-इस्तकबाल

सौंदर्य ही इंसान के जीवन की पहली धरोहर है, लेकिन जिस तरह हम इसे संभालते हैं, वह ही हमारे जीवन को सचमुचे में जीवंत बनाता है।





दास्तान-ए-कबाल

सोई खोई सी अखियाँ है जिसकी हरी, कदरें जिस संग हुए है उसका नूरी
बेपरवाह खयालों में छुपी जिसकी अब है कित्तरी, क्तानी रिश्ते का गवाह है ये रंग "सिंदूरी"